शिम्रीत ओर

१९४५ में जेरूसलेम में जन्म। इज़राइल की ख्यातिप्राप्त कवयित्री और गीतकार। उनके गीतों की धुनों को सर्वश्रेष्ठ संगीतकारों ने रचा है। गीतों के साथ-साथ अनेक कविताएं लिखी हैं जिनमें वैयक्तिक, सामाजिक और राजनैतिक विषयों को अभिव्यक्ति मिलती है। आजकल वे नगर रमत-हशरोन में संगीत के महाविद्यालय में गीत लेखन सिखा रही हैं। शिम्रीत ओर को सरकार और संगीत अकादमी की तरफ़ से सम्मानित किया गया है। गीतजय-जयकार (Halleluiah) उनके उन प्राथमिक गीतों में से एक है जिनके कारण उन्हें विश्व भर में ख्याती प्राप्त है।

अनुवाद

हिब्रू से हिन्दी अनुवाद - डॉ. गेनादी श्लोम्पेर

क्या सुहावना यह संसार
इस संसार में सदा रहे प्यार
धन्यवाद कहें और कहते रहें
कि भगवान ने यह विश्व बनाया है
और मनुष्य को मिला यह उपहार

रात बीत जाए, दिन चढ़े
इसके गुण भी हम गा रहे हैं
जो हुआ था, उसकी जयकार, मेरे यार
और जो होनेवाला है, उसकी जयकार

क्या सुहावना यह संसार
इस संसार में सदा रहे प्यार
और हमारी यह जय-जयकार
गूंजा करेगी हज़ारों बार
हर जगह, यहां और समुंदर पार

रात बीत जाए।

हर इंसान को सुख मिले
हर घड़ी वह मौज से रहे
हाथ मिला कर बन जाएंगे हम रिश्तेदार
और मिलकर गाएंगे यह जय-जयकार

रात बीत जाए।

इस गाने को हिब्रू भाषा में यूट्यूब पर सुना जा सकता है।
http://www.youtube.com/watc